



विश्व के सबसे गहरे और बड़े ताजे पानी के चश्मों एक हैं वकूला सिंग्स। प्लोरिडा के क्राफर्डविल में कुल 33 चश्मों हैं जिनमें वकूला सबसे बड़ा है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक यह क्षेत्र इंसान व जानवरों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। ऐसे प्रमाण हैं, जो बताते हैं कि 12,000 साल पहले भी यहां इंसान मौज मस्ती के लिए एकत्रित होते थे और लम्बे असें पूर्व लुप्त हो चुके, मैस्टडॉन्स (हाथी जैसे प्राचीन जीव) जैसे जानवर भी यहां आते थे। पुरातत्वविदों को सन् 1850 के बाद से ही यहां पर मैस्टडॉन्स, जाएंट ग्राउण्ड स्लॉथ, सेबर-टूथ टाइगर्स आदि (सभी लुप्त हो चुके हैं) के जीवाश्म मिलते रहे हैं। विश्व का सबसे गहरा चश्मा, वकूला सिंग्स 185 फीट गहरा है। उत्तरी प्लोरिडा की गर्मी से निजात पाने के लिए लोग यहां आते हैं। प्रकृति प्रेमी और वन्यजीव फोटोग्राफर्स को भी यह जगह बहुत पसंद है। एलिगोटर्स, सुवानी कूटर टर्टल, डियर और मैनीटा (सर्पों में) यहां अक्सर नजर आते हैं। इसके अलावा अनहिंगा स्नेक बर्ड, ऑस्री, गैलीन्यूल्स, बुड डक्स, ट्रेट इंग्रेट, ब्लू हैरॉन्स, कॉरमोरैन्ट्स और पाइड बिल्ड ग्रीब जैसे पक्षी यहां बड़ी तादाद में रहते हैं। सन् 1986 में यहाँ एडवर्ड बॉल वकूला सिंग्स स्टेट पार्क बनाया गया था। वकूला सिंग्स कई फिल्मों में भी नजर आ चुका है, जिनमें टार्जन श्रृंखला की पुरानी फिल्में प्रमुख हैं।

पानी के लिए पैदल यात्रा

पाली, 25 मई (नि.सं.)। पाली नगर परिषद की सभापति रेखा व उनके पति राकेश भाटी शहर के पेयजल संकट को लेकर आज पाली से जयपुर पैदल रवाना हुये। दम्पति ने सुबह उठकर एक बैग गले में लटकाया और भैरुघाट भैरुजी मन्दिर, लाखोटिया महादेव, सोमनाथ महादेव के दर्शन कर जयपुर रवाना हो गये। पाली नगर परिषद् में भाजपा का बोर्ड है।

इस नौतपा की भीष्ण गर्मी में पैदल निकलना, 300 किलोमीटर की दूरी के लिये बहुत कठिन व साहसिक कार्य है। यह निर्णय हर कोई नहीं ले सकता। इस दम्पति के दिलों दिमाग में पाली शहर की जनता के प्रति दर्द है। यह दमर्त पिछले कई वर्षों से सुबह सुबह अपने घर के नजदीक बहुत सारे मन्दिरों के दर्शन हर रोज करते है। भगवान से पाली

■ नगर परिषद सभापति रेखा और उनके पति राकेश भाटी पाली के भारी पेयजल संकट पर विरोध जताने के लिए भीष्ण गर्मी में जयपुर के लिए पैदल निकल रहे हैं।

शहर की जनता की खुशहाली के लिये दुआ हर रोज करते हैं मगर पानी की भयंकर किल्लत को देखते हुये इन्हें महसूस हुआ और लगा की ऐसी स्थिति में राज यानि सरकार को जग्या जाए और पैदल ही जयपुर कूच किया जाए ये चाहते तो अपने अधीनस्थ ठेकेदारों व अन्य संस्थाओं के माध्यम से टैंकरो से पानी पहुंचा सकते थे, मगर इन्हें एहसास हुआ की इस व्यवस्था से आमजन की समस्याएं दूर नहीं होगी। इसका स्थायी समाधान होना चाहिये और यह दोनों निकल पड़े सरकार को जगाने के लिए।

दम्पति की आवाज को सुनना ही पड़ेगा। यह आवाज रेखा राकेश भाटी की नहीं सम्पूर्ण पाली की आवाज है कि सरकार पाली की जनता के लिये पानी की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

सिब्ल का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कपिल सिब्ल ने समावादी पार्टी नेता आजम खान का केस लड़ा था, जिन्हें दो वर्ष तक जेल में रहने के बार जमानत मिल गई थी। सूत्र कहते हैं कि कपिल सिब्ल समाजवादी पार्टी के अधिकांश केस लड़ेंगे।

सिब्ल के पास कई राजनीतिक पार्टियों से राज्यसभा सदस्य बनने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने समाजवादी पार्टी को ही सिर्फ इसलिए चुना क्योंकि वह गांधी परिवार को एक कड़ा संकेत देना चाहते थे।

सिब्ल ने कांग्रेस के चिन्तन शिबिर के समापन के बाद 16 मई को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।

सिब्ल ने पार्टी की कार्यशैली और क्रियाकलापों को लेकर कुछ प्रारंभिक मुद्दे उठाए हैं और राहुल गांधी ने उन्हें वर्ष 2019 से स्वयं से मिलने का समय नहीं दिया है।

सिब्ल कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं के समूह जी-23 की मूलतः प्राण वायु थे। इन नेताओं ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी में सुधार किए जाने की मांग की थी।

पिछले 5 माह से भी कम समय में वे कांग्रेस के पांचवें ऐसे सीनियर नेता हैं, जिन्होंने पार्टी छोड़ी है। कांग्रेस के लिए किसी भी तरह से यह बहुत बड़ी क्षति है।

यासीन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई एन.आई.ए.कोर्ट ने

देश में बड़ी हिंसक वारदात होने की आशंका के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली

नयी दिल्ली, 25 मई (वार्ता)। नब्बे के दशक में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का पर्याय रहे जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के सरगना यासीन मलिक को उसके जन्म अपराधों के लिए 32 साल बाद बुधवार को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

मलिक को आतंकवाद, राजद्रोह और आपराधिक साजिश आदि विभिन्न धाराओं के तहत विभिन्न अवधि की कारावास की सजा और कई रकम के जुर्माने किये गये हैं जिनमें 10 लाख रुपये का जुर्माना भी शामिल है। अदालत ने कहा है कि मलिक के कैद की विभिन्न सजायें एक साथ चलेंगी।

मलिक के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मामलों की

■ जैसा कि विदित है कि, जुब कोर्ट में सजा सुनाई जाती है तो अपराधी का कोर्ट में मौजूद होना आवश्यक होता है।

सुनवाई करने वाली पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत के न्यायाधीश प्रवीण सिंह के फैसले से पहले जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर में तनाव का माहौल था। श्रीनगर के लाल चौक पर टुकानें बंद थीं, पर यातायात चालू था।

आतंकवादी सरगना मलिक जनवरी 1990 में कश्मीर में स्वाइडन लीडर रवि खन्ना सहित भारतीय वायुसेना के चार अधिकारियों और जवानों की

हत्या के मामले चर्चित हुआ था। उसके खिलाफ 2017 में आतंकवाद और विघटनकारी कर्तव्यों में शामिल होने के आरोपों में मामला दायर किया गया था। इसी वर्ष मार्च में अदालत ने मलिक और अन्य के विरुद्ध गैर कानूनी गतिविधियों निवारक (यूपीए) अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा चलाये जाने का आदेश दिया था।

मलिक के वकील उमेश शर्मा ने कहा कि, उसके मुकदमे को आजीवन कारावास की दो सजाओं के अलावा 10 अभियोगों में 10 साल की बामशकत कैद की सजायें सुनायी गयी हैं और उन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी सजायें एक साथ चलेंगी।

मलिक के विरुद्ध 10 वर्ष के

ज्ञानवापी जैसा एक मामला कर्नाटक में भी सामने आया

मंगलुरु के मलाली क्षेत्र में जुमा मस्जिद के पुर्ननिर्माण के दौरान हिन्दू मंदिर के प्रतीक चिन्ह मिलने का दावा किया गया

मंगलुरु, 25 मई (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का विवाद अभी सुलझा भी नहीं कि कर्नाटक से एक और ऐसा मामला सामने आया है। जिसके बाद यहां मंगलुरु के मलाली में जुमा मस्जिद से 500 मीटर के दायरे तक बुधवार सुबह आठ बजे से धारा 144 लागू कर दी गई है।

इस दिन सुबह करीब साढ़े आठ बजे थेनकुलीपडी के रामनेय्य भजन मंदिर में तंबुला प्रश्न नामक धार्मिक आयोजन किए जाने के बाद सीआरपीसी की धारा 144 लगाई गई है।

चूंकि हिंदू सामाजिक संगठनों का

■ गौरतलब है कि, मंगलुरु प्रशासन यहां की जुमा मस्जिद का पुर्ननिर्माण करता रहा था इस दौरान वहां हुई तोड़-फोड़ और खुदाई में हिन्दू मंदिर के प्रतीक चिन्ह आदि मिलने की बात सामने आई।

मानना है कि, जुमा मस्जिद का निर्माण मंदिर के स्थान पर किया गया है इसलिए तंबुला प्रश्न अनुष्ठान के बाद अष्टमंगला प्रणाम की तैयारियां शुरू हो गईं।

उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को मैंगलुरु शहर के बाहरी इलाके में स्थित जुमा मस्जिद में मस्जिद अधिकारियों द्वारा कराए जा रहे नवीनीकरण कार्य के दौरान मस्जिद के नीचे एक हिंदू मंदिर

के जैसा वास्तुशिल्प डिजाइन मिलने की बात कही गई थी।

इसके बाद इलाके के हिंदू संगठनों ने दावा किया कि मस्जिद स्थल पर मंदिर के होने की पूरी संभावना है। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जिला प्रशासन से दस्तावेजों के सत्यापन तक मस्जिद में काम स्थगित करने की अपील की।

कपिल सिब्ल का छोड़कर जाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) बीच संवाद-सेतु का काम भी कर सकते हैं।

कुल मिलाकर, सिब्ल ने कांग्रेस छोड़ तो दी है लेकिन किसी नाराजगी के कारण नहीं तथा पार्टी से अपने रिश्ते नहीं तोड़े हैं। यह बात कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के शब्दों से उस साफ झलक रही थी, जब उन्होंने कहा कि सिब्ल का त्याग-पत्र बहुत ही ऊंचे दर्जे का है।

इससे पूर्व सिब्ल ने कहा कि उन्होंने "16 मई को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।" उन्होंने कहा, "कांग्रेस के साथ मेरे बहुत गहरे रिश्ते हैं। ये रिश्ते 30-31 साल पुराने हैं। यह कोई छोटी चीज नहीं है। मैं कांग्रेस में राजीव जी (पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी) के कारण शामिल हुआ था। आप सोच रहे होंगे कि कोई व्यक्ति 31 साल बाद कांग्रेस को कैसे छोड़ सकता है। मेरा हृदय भी कुछ न कुछ जरूर महसूस कर रहा होगा।

कभी-कभी ऐसे निर्णय लेना जरूरी हो जाता है। लेकिन मेरी विचारधारा कांग्रेसी विचारधारा ही है। मैं कांग्रेस तथा उसकी विचारधारा से दूर नहीं गया हूँ। मैं पार्टी की भावनाओं के साथ ही हूँ।

उन्होंने आगे कहा, "हम सभी इस तथ्य से बंधे हुये एवं नियंत्रित है कि हम विभिन्न पार्टियों के सदस्य हैं तथा हमें पार्टी के अनुशासन का पालन करना ही होता है, लेकिन स्वतंत्र स्वर रखना भी महत्वपूर्ण तो है ही। जब किसी एक स्वतंत्र व्यक्ति की आवाज उठेगी तो लोग यह महसूस करेंगे कि वह किसी अन्य पार्टी से संबंध नहीं है।

सिब्ल ने कहा कि वह राज्यसभा टिकट के लिए उनका समर्थन कर रही समाजवादी पार्टी में शामिल नहीं हुए है क्योंकि वह एक निर्दलीय सदस्य बनकर भाजपा के खिलाफ विषय को एकजुट करना चाहते हैं।

सपा के साथ उनका संबंध नया नहीं है। सपा ने सच 2016 में भी राज्यसभा

में उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया था। वर्ष 2017 में जब अखिलेश और मुलायम के बीच पार्टी सिब्ल को लेकर टकराव हो गया था, जब उन्होंने चुनाव आयोग में अखिलेश का प्रतिनिधित्व किया था। चार घोटाले में भी सिब्ल लालू के वकील थे।

कभी कांग्रेस के सीनियर मोस्ट नेताओं में से एक माने जाने वाले सिब्ल पार्टी के 23 असंतुष्ट नेताओं के समूह जी-23 के पीछे मुख्य भूमिका में थे। इन नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को दो वर्ष पहले एक पत्र लिखकर मांग की थी कि पार्टी नेतृत्व तथा संगठन में पूर्ण तब्दीली की जाए।

वह गांधी परिवार, खासतौर पर राहुल गांधी नेतृत्व की आलोचना काफी मुखर एवं कटु करते आए हैं। उन्होंने यह सार्वजनिक मांग भी की थी कि किसी गैर गांधी को पार्टी प्रमुख बनाया जाए।

403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी के 111

राहुल गांधी का पप्पू नाम रखने वाले कुमार विश्वास, कम्युनिस्ट से कांग्रेसी बने कन्हैया और प्रियंका को बनाओ राज्यसभा उम्मीदवार

मुख्यमंत्री के सलाहकार निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने आलाकमान को सलाह दी

जयपुर, 25 मई (का.प्र.)। राजस्थान में चार सीटों पर होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए दावेदार दिल्ली से लेकर जयपुर तक अपने प्रयासों में जुटे हुए हैं। एक कयास यह भी है कि राज्यसभा की 3 में से 2 सीटों पर आलाकमा की मर्जी के उम्मीदवार तय होंगे। वही एक सीट मुख्यमंत्री की मर्जी से तय होगी। इस बीच अब मुख्यमंत्री के सलाहकारों से लेकर अन्य विधायकों ने भी अपनी पसंद बताया।

उस मुलाक़ात में शामिल मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं सिरौही के निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने बुधवार को एक टवीट कर आलाकमान को तीन नुर्जर उम्मीदवार की मांग उठाई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 11 निर्दलीय विधायकों से राज्यसभा चुनावों को

■ एक अन्य विधायक अवाना बोले- गुर्जर समाज के व्यक्ति को भेजा जाना चाहिए राज्यसभा में।

लेकर दो दिन चर्चा की थी। इस चर्चा के बाद एक फोटो भी जारी की गई थी कि तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन कांग्रेस उम्मीदवार के साथ रहेगा। उस मुलाक़ात में शामिल मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं सिरौही के निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने बुधवार को एक टवीट कर आलाकमान को तीन नुर्जर उम्मीदवार की मांग उठाई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 11 निर्दलीय विधायकों से राज्यसभा चुनावों को

कम्युनिस्ट पार्टी से कांग्रेस में आने वाले कन्हैया कुमार का नाम सुना। लोढ़ा ने अपने टवीट में लिखा कि शासकीय नीतियों को जन अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने और केंद्र की सत्ता को बाध्य करने के लिए राज्यसभा के आगामी चुनावों में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास और कांग्रेस के नेता कन्हैया कुमार को राजस्थान से राज्यसभा में अवसर दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। दूसरी ओर राजस्थान में बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए विधायक जोगिंदर

सिंह अवाना ने कांग्रेस हाईकमान से गुर्जर समाज के व्यक्ति को राज्यसभा में भेजने की मांग की है। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष अवाना ने कहा कि 70 से 75 विधानसभा क्षेत्रों में गुर्जर समाज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। देश की आजादी के बाद से अब तक राज्यसभा में गुर्जर समाज का कोई भी व्यक्ति नहीं गया है। राज्यसभा में गुर्जर समाज का व्यक्ति जरूर जाना चाहिए। अवाना ने बताया कि पूरे राजस्थान में करीब 10 से 15 लोकसभा की सीटें हैं, जिनमें गुर्जर समाज की अच्छी संख्या है।

रोहित जोशी को दिल्ली हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

श्रीलंका ने भारत से मांगा कर्ज

कोलंबो, 25 मई (वार्ता)। जबदस्त आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका ने भारतीय एफ़िजम बैंक से 50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज मांगा है ताकि इस रकम से ईंधन का आयात किया जा सके। ड डेली एफटी समाचार पत्र ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि सोमवार को आयोजित एक बैठक में श्रीलंका की सरकार ने भारत से संपर्क करने का फैसला लिया। श्रीलंका

■ श्रीलंका ने भारतीय एफ़िजम बैंक से 50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज मांगा है, ताकि वह ईंधन का आयात कर सके।

के ऊर्जा मंत्री कंचना विजसेकरा ने कहा, सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में भारतीय एफ़िजम बैंक से 50 करोड़ डॉलर अतिरिक्त ऋण लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस रकम का इस्तेमाल ईंधन की किल्लत को कम करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीलंका ने इस रकम को चुकाने के लिए अतिरिक्त एक साल के साथ सात साल का समय मांगा है।

एक अनार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) तीसरी जाति, जो अपने आपको दरकिनार मान रही है, राजपूत है क्योंकि शासन ने इस तर्क के आधार पर उनसे जानबूझ कर दूरी बना रखी है कि वे भाजपा समर्थक हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वे भी अपना हिस्सा चाहते हैं। कांग्रेस में उठायी जा रहा दूसरा बिन्दु यह है कि चूंकि चुनाव बहुत नजदीक हैं, इसलिए राज्यसभा की कम से कम दो सीट स्थानीय नेताओं को दी जानी चाहिये। पहले राजस्थान से डॉ. मनमोहन सिंह तथा वेणुगोपाल राज्यसभा में भेजे गये थे। सूत्रों का कहना है कि राजपदी सिंह सुरजेवाला राज्यसभा से राज्यसभा में पहुंचने के लिये अशोक गहलोत के प्रति जबरदस्त स्नेह जताने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि राजस्थान से उन्हें टिकट मिलने की कोई गुंजाइश दिखाई दे रही है क्योंकि हुडा उन्हें बाहर रखने के लिये कुछ भी कर गुजरेंगे। चूंकि राजस्थान से राज्यसभा की उम्मीदवारी के लिये गुलाम नबी आज़म के नाम पर गंभीरता से विचार चल रहा है तथा इसलिये स्थानीय नेताओं के समायोजन के लिये गहलोत के पास दो ही सीट बचती है।

प्राइमरी स्कूल में गोलीबारी में 18 बच्चों समेत 21 की मौत

टैक्सस के स्कूल में 18 वर्षीय युवक ने हँडगन और राइफल से बच्चों और शिक्षकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई

टैक्सस, 25 मई। अमेरिका के टैक्सस शहर में एक स्कूल में हुई गोलीबारी में 18 बच्चों समेत 21 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। स्कूल में फायरिंग करने वाले 18 साल के शख्स को पुलिसकर्मियों ने मार गिराया। फायरिंग करने वाले शख्स का नाम सल्वाडोर रामोस बताया जा रहा है।

बंदूकधारी शख्स हँडगन और राइफल के साथ रॉब एलीमेंट्री स्कूल में दाखिल हुआ और उसमें बच्चों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दी। बताया जाता है कि फायरिंग में जिन बच्चों की मौत हुई है उनकी उम्र 7 से

■ इस घटना के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुस्सा और निराशा व्यक्त करते हुये अमेरिका की आर्म्स पॉलिसी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि, ऐसा लगता है कि, हम इसमें फंस गए हैं और कभी बाहर नहीं निकल पाएंगे।"

10 साल के बीच थी। सभी दूसरी, तीसरी और चौथी क्लास के छात्र थे। राष्ट्रपति ने कहा, "भगवान के नाम पर हम बंदूक की लॉबी के लिए खड़े होने जा रहे हैं।" उन्होंने कहा, "यह समय है कि हम इस दर्द को कार्रवाई में बदल दें, एक बच्चे को खोने पर आत्मा को कष्ट पहुंचा है। सीने में एक

खोखलापन है। ऐसा लगता है कि इसमें फंस गए हैं और कभी बाहर नहीं निकल पाएंगे।"

उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा, अब बहुत हो गया है। एक राष्ट्र के रूप में, हमें कार्रवाई करने और ऐसा दोबारा होने से रोकने का साहस होना चाहिए।

“सपा से मिले “प्रसाद” का स्वाद कैसा लगा”

नई दिल्ली/लखनऊ, 25 मई (वार्ता)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्ल के कांग्रेस छोड़ कर समाजवादी पार्टी (सपा) से हाथ मिला कर राज्यसभा सीट हासिल करने पर साल भर पहले कांग्रेस छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए उत्तर प्रदेश के मंत्री जितिन प्रसाद ने तीखा कटाक्ष करते हुए पूछा कि उन्हें सपा से मिले 'प्रसाद' का स्वाद कैसा लगा।

दरअसल जितिन प्रसाद दस जून 2021 को कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए थे और उस समय सिब्ल ने टवीट करके कटाक्ष किया था - जितिन प्रसाद भाजपा में शामिल हुए। स्वावल यह है कि क्या उन्हें भाजपा प्रसाद मिलेगा या उन्हें केवल उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए फंसाया गया है। ऐसे सौदों में यदि विचारआसरा की चिंता नहीं हो तो बदलाव आचार होता है।

■ मौका आया तो सिब्ल पर यह कटाक्ष करके जितिन प्रसाद ने अपना साल भर पुराना बदला चुका लिया।

सिब्ल के इस टवीट से प्रसाद को संभवतः भावनात्मक आघात लगा था। आज जब सिब्ल के सपा के समर्थन से राज्यसभा के चुनाव में पर्चा भरने की खबर आयी तो योगी सरकार में लोक निर्माण मंत्री प्रसाद खुद को रोक नहीं पाये और उन्होंने एक साल पुराने सिब्ल के उसी टवीट के जवाब में लिखा-प्रसाद कैसा लगा मिस्टर सिब्ल देखते ही देखते यह टवीट टूट करने लगा और डेढ़ घंटे के भीतर इसे 14 हजार से अधिक लोगों ने लाइक कर दिया।